सरस्वती मंत्र

सरस्वती मंत्र

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा
तकरा या श्वेतपद्मासना॥

या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः
ैः सदा वन्दिता।ता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥१॥ःशेषजाड्यापहा॥१॥

शुक्लांलां ब्रह्मविचारचार सार परमामाद्यां जगद्व्यापिनीं।
नीं।
वीणा-पुस्तक-धारिणीमभयदांणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम्॥

हस्ते स्फटिकमालिकां
कां विदधतींदधतीं पद्मासने संस्थिताम् ।
वन्दे तां परमेश्वरींंभगवतीं बुद्धिप्रदांप्रदां शारदाम्॥२॥

सरस्वती माता की आरती गीत

ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता।
सद्गुगुण वैभवभव शालिनी
नी, त्रिभुवनभुवन विख्याता।।ख्याता।।

चंद्रवदनि
पद्मासिनी
नी, ध्रुति मंगलकारी।।
सोहें शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी ।। जय…..

बाएं कर में वीणा, दाएं कर में माला।
शीश मुकुट मणी सोहें, गल मोतियनयन माला ।। जय…..

देवी शरण जो आएं, उनका उद्धार किया।या।
पैठीठी मंथरारा दासी, रावण संहार कियाया ।। जय…..

विद्याद्या ज्ञान प्रदायिनी
नी, ज्ञान प्रकाश भरो।
मोह, अज्ञान, तिमिरर का जग से नाश करो ।। जय…..

धूप, दीपप, फल, मेवा मां स्वीकार करो।
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तारस्तार करो ।। जय…..

मां सरस्वती की आरती जो कोई जन गावें।
हितकारी, सुखकारी, ज्ञान भक्तीती पावें ।। जय…..

जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता।
सद्गुगुण वैभवभव शालिनी
नी, त्रिभुवनभुवन विख्याता।।ख्याता।। जय…..

ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता ।
सद्गुगुण वैभवभव शालिनी
नी, त्रिभुवनभुवन विख्याता।।ख्याता।। जय…..